

प्रेषक,

डा० एम०सी०जोशी,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद,  
देहरादून।

### विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग

देहरादून: दिनांक: २२ अक्टूबर, २००८

विषय: वित्तीय वर्ष २००८-०९ में अनुदान संख्या-२३ के लेखाशीर्षक ३४२५ के अन्तर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: UCS&T/Sect./24/2007-08, दिनांक: 02.09.2008 के संदर्भ में एवं शासनादेश संख्या: ३१४ (बजट)/XXXVIII/०८-३०/वि०प्रौ०/२००८, दिनांक: १८ जून, २००८ के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, देहरादून हेतु चालू वित्तीय वर्ष २००८-०९ के आय व्ययक में लेखाशीर्षक "३४२५" अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान के आयोजनागत पक्ष ०४ गो०ब०प०क०वि०वि०पन्त नगर में बायोटैक्नोलाजी पार्क की स्थापना हेतु धनराशि रु० २००.०० लाख तथा मानक मद संख्या-०९ उत्तरांचल विज्ञान एवं शिक्षण अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हेतु धनराशि रु० १००.०० लाख अर्थात् कुल धनराशि रु० ३००.०० लाख (रु० तीन करोड़ मात्र) का संलग्न बी०एम०-१५ के कालम-५ पर अंकित मानक मदों/विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से पुनर्विनियोग द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

2. वित्तीय वर्ष २००८-०९ में आवंटित कुल धनराशि की सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाए।
3. यह स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल, अधिप्राप्ति नियमों एवं वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन हो अर्थात् आवंटित धनराशि का व्यय करते समय वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, अधिप्राप्ति नियमावली एवं मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का पूर्णतः अनुपालन किया जायेगा।
4. व्यय करने से पूर्व जहाँ सक्षम अधिकारी का प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसे व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही व्यय किया जायेगा।
5. व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, अतः मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये।
6. मासिक आधार पर व्यय विवरण एवं उक्त धनराशि का उपयोगिता/उपभोग प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए एवं अन्ततः वर्षान्त पर सम्पूर्ण आवंटित धनराशि का व्यय विवरण व उपयोगिता/उपभोग प्रमाण-पत्र तथा किये कार्यों का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जाए।



.....2/-

7. स्वीकृत धनराशि के बिल जिलाधिकारी, देहरादून से प्रतिहस्ताक्षरित कराने के उपरान्त कोषागार में जमा कराते हुए धनराशि आहरित की जाए।
8. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक हेतु अनुदान संख्या-23 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान, 60-अन्य, 004-अनुसंधान तथा विकास, 07-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद को सहायता-00-आयोजनागत के अन्तर्गत संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-05 में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 83 पी0/वि0अनु-5/08, दिनांक: 15 अक्टूबर, 2008 के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।  
संलग्नक-यथोपरि।


भवदीय,

(डा0एम0सी0जोशी)  
अपर सचिव।

संख्या: 509 (1)/XXXVIII/पुन0वि0/08-30/वि0प्रौ0/2008, तददिनांक।  
प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, माजरा देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-5,
5. बजट अधिकारी, उत्तराखण्ड शासन।
6. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर देहरादून।
8. निजी सचिव-प्रमुख सचिव उत्तराखण्ड शासन।
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(लक्ष्मण सिंह)  
अनु सचिव।

आय-व्ययक प्रपत्र-15

अनुदान संख्या-23

पुनर्विनियोग 2008-09 विवरण पत्र

प्रशासनिक विभाग-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, देहरादून

नियंत्रक अधिकारी-प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग।

आयोजनागत से आयोजनागत में

(धनराशि हजार ल० में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष धनराशि (सरप्लस)	लेखाशीर्षक; जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-01 में अवशेष धनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-23 3425-अन्य वैज्ञानिक अनुसंधान-60-अन्य-004 अनुसंधान तथा विकास-04-गोब0प0 क0वि0वि0पन्त नगर में बायोटेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना-42-अन्य व्यय -20000	-	-	-	07-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद को सहायता -20- सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता -30000	40000	-	(क एवं ख) स्तम्भ-1 में अभी आवश्यकता नहीं है। (ख) स्तम्भ-5 में वास्तविक आवश्यकता हेतु।
09-उत्तरांचल विज्ञान एवं शिक्षण अनुसंधान केन्द्र की स्थापना-42-अन्य व्यय -10000	-	-	-20000(क) -10000(ख)				
योग-	-	-	30000	30000	40000	-	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग के बजट में अनुल के परिच्छेद-150,151,155,156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

प्र.

(डा०एम०सी०जोशी)

अपर सचिव।

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-5

संख्या: E3P /वि0अनु0-5/2008

देहरादून: दिनांक/5 अक्टूबर, 2008

:- पुनर्विनियोग स्वीकृत।

सेवा में,

महालेखाकार,

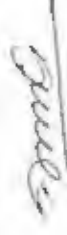
उत्तराखण्ड, ओबरोय मोर्टन बिल्डिंग,

माजरा देहरादून।

संख्या: 507 (1)/XXXVIII /पुनर्वि0 / 28-30 / वि0प्र0 / 2008, तददिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
2. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
3. गार्ड फाइल।



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव, वित्त।

आज्ञा से,



(डा० एम०सी०जोशी०)

अपर सचिव।